माई अँगना पधारी मज़ा आ गया भजन लिरिक्स

क्रीट कुंडल पहन,
डाले काज़ल नयन,
माई अँगना पधारी,
मज़ा आ गया,
होंठ लाली लगी,
माथे बिंदिया सजी,
माई अँगना पधारीं,
मज़ा आ गया।bd।

तर्ज – मेरे रश्के कमर।

धोके चरणों को,
चरणामृत पी लिया,
धूप नैवेद्य से,
माँ का स्वागत किया,
दीप माला सजी,
खिल उठी हर कली,
माई अँगना पधारीं,
मज़ा आ गया।bd।

सिंह के साथ,
आई हैं माता मेरी,
शस्त्र धारण किये,
कंठ माला सजी,
माँ सुदर्शन लिए,
सबने दर्शन किये,
माई अँगना पधारीं,
मज़ा आ गया।bd।

लाल चूनर में माँ,
बड़ी प्यारी लगें,
नित नए रूप में,
सबसे प्यारी लगें,
हाथ कंगना सजे,
पांव पायल बजे,
माई अँगना पधारीं,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मज़ा आ गया।bd।

क्रीट कुंडल पहन,
डाले काज़ल नयन,
माई अँगना पधारी,
मज़ा आ गया,
होंठ लाली लगी,
माथे बिंदिया सजी,
माई अँगना पधारीं,
मज़ा आ गया।bd।

गीतकार – राजेंद्र प्रसाद सोनी।
8839262340

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com